

3190

ASHA ARCHIVES

१८४५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

नैव च यथा स्नाय यादृ का पूजयामि ॥ त ग ४ ७ या ३३ नित नै ॥ नै कौ सीं वि पू न सून्य
य्य ग्यां ज नि पू र्थ या दृ का पूजयामि ॥ ३ ॥ मान स कृ पा न ग या ॥ यानि मू धा
क न ॥ वि न्द्र वि य ॥ ज य या च का नै कौ सीं स्वा हा ॥ १००४ ॥ ३०४ ॥ २०१ ॥ ज य या दृ का य
क स्नान द व र्कं थ मं कृ या ॥ ल व न म गु ल द य क ॥ क ढा वा वा या ॥ स्नान ग या ॥ ग १
नै श्री गु नू य न म षा ड ला कान स नि रा द वी ॥ वि न्द्र या न क न षु रा ॥ मा हि नी द व
दे वा नी शो यू न षा या न न म षा के ग न न म स्का न या या ॥ क ढा वा स्नान का का
या ॥ मान स द व या कं ॥ कृ य नै का न तु ढा व वा या ॥ न्या स नि का या ॥ द्रै ज्ज य रू

३ ॥ ला या दा या नै ज्ज य रू ३ ॥ नृ धू त क ॥ स हा न मू दान स दा यि स स्नान का य
व मान स थि य का व व र्म ग य ॥ सूर्य ष म सि थ या ना मि य ॥ ॥ त ग ग म य
णी ॥ नै कौ सीं य न द थै वि न्द्र कू ल दी या थै धी म हि न न्ना शी य न य वा द
या ॥ थ ति ग म य णी ॥ १००४ ॥ क न थि र्म ग य ॥ थ न वि व म ग म क ड
ल ॥ या रू य कं ॥ ॐ द व ता या न म का या ॥ थ य कृ द द श यि व ॥ सूर क न
म द ॥ मा म व द् दा श कि जा ॥ ग ता क रू ॐ द री ढा थ क न क न सी ॥

वस्तु दर्शयनीव जिवया रुययाग सांकनसा ॥ वस्तु रुथ्या ग्वरुथ्या श्री
 रुथ्या वानरुथ्या यैवमहायात कनायिव ॥ श्री गुरुया आह्लादग
 सा आह्लाकायाव दनगवशना ॥ ॥ श्री लं प्रमत्रु कव वं क
 यालंख प्रमवव द धनं कृष्ण वधुं गिरि जहं कृष्ण नायक ॥

[illegible]

न॥ अश्मायूजा॥ धवकतर्पन॥ बलिर्मेतर्पन॥ दवस्क॥ नैकासौ ॐ हृदवम
येकययामिनम॥ अवाहनयूजा॥ असनतन॥ नैजृष्टयूष्यकासनायाद
कायूजयामि॥ नैवकयद्रासनायवाइकायूजयामि॥ नैदूसासनायवाइका
यूजयामि॥ नैवाध्वन॥ नैजृष्टवकुश्वनन्दव॥ द्विरजकुश्वकादुन॥ जवकु
समसंकास॥ सससन्नावनरुका॥ विविग्वन्नद्वारु॥ गजाइनायूजा
द्युन॥ नकयद्रागनासान॥ ध्वयइमरुयैकव॥ ध्वनयूष्यनम॥ अवा

हम ॥ उ या जि ना ॥ उं ऊं लीं नूं नूं ॥ वृ का द ना य म हारु न वा य गु वि ग का ल
द लु य द म ग ठा ध ना य बा धु नूं ॥ श नी ना य वा लु यू ग य दा य दि प्री या य
म हारु ली य न नु वि न ली म श्व ना य या दू का यू ज या मि ॥ ३ ॥ व व व लिं
गु ड २ स्वा ॥ वि नु वि य ॥ नै जां डां डूं डूं ॥ श्री कृ ति का ये डो य दा मू रू य वा
दू का यू ज या मि ॥ वि नु वि य ॥ नै डूं डूं ॥ गों गी नूं म हारु न श्व ना य या
दू का यू ज या मि ॥ व लि ॥ वि नु वि य ॥ रू ग श्व न या ॥ नै डूं डूं डूं म धू न म

मणिगकिरुगि न्येयाइकायुज्यामि॥वलि॥विन्दुवीय॥ ॥वलिमूल॥
॥कौं कृणवा नायवलिगृङ्ग २ स्वाहा॥वां वटकु नाथायवलिगृङ्ग २ स्वा
हा॥गं गलेश्व नायवलिगृङ्ग २ स्वाहा॥उं कौ वृकाद नायवलिगृङ्ग
स्वाहा॥उं कौ यदि नृक यवलिगृङ्ग २ स्वाहा॥उं गौ सुतेश्व नायवलि
उं कौ सुति न्येवलि॥ ॥धनचन्दनसिन्दुनयुष्यधूपदियनेयश
की॥आयस्तु॥

ॐ कौं कौं कौं ॥अथ गीता स्म॥थर तित स्म॥वायु गीता स्म॥वृथा गीता स्म
शुक्ल स्म प्रनम ॥१०॥ ॥नृं कौं गौ वृकाद स्म प्रनम॥नृं कौं कौं सुतेश्व गीता प्रनम
सौं कौं यथे प्रनम॥नृं ३ वासुदेव नमः॥नृं ३ त्रयाने नमः॥नृं ३ कौं गीता प्रनम
वायु॥नृं कौं कौं उयाये नम॥नृं ३ सौं उयाये नम॥नृं ३ नमः॥ ॥
नृं ३ स्म यथे प्रनम॥ ॥गीता उयाये नम॥अथ याम ॥स्तु॥ ॥

२३५ श्री वंशाव कर सांठा वा मा नं सिव गा उ मं ॥ सिव मा गं पु म
ग पु न मा मा सां गा दा गा व ॥ ४ ॥ ॥

जंरु कं कं कं म स व का ह स्ता य ॥ पापू ॥

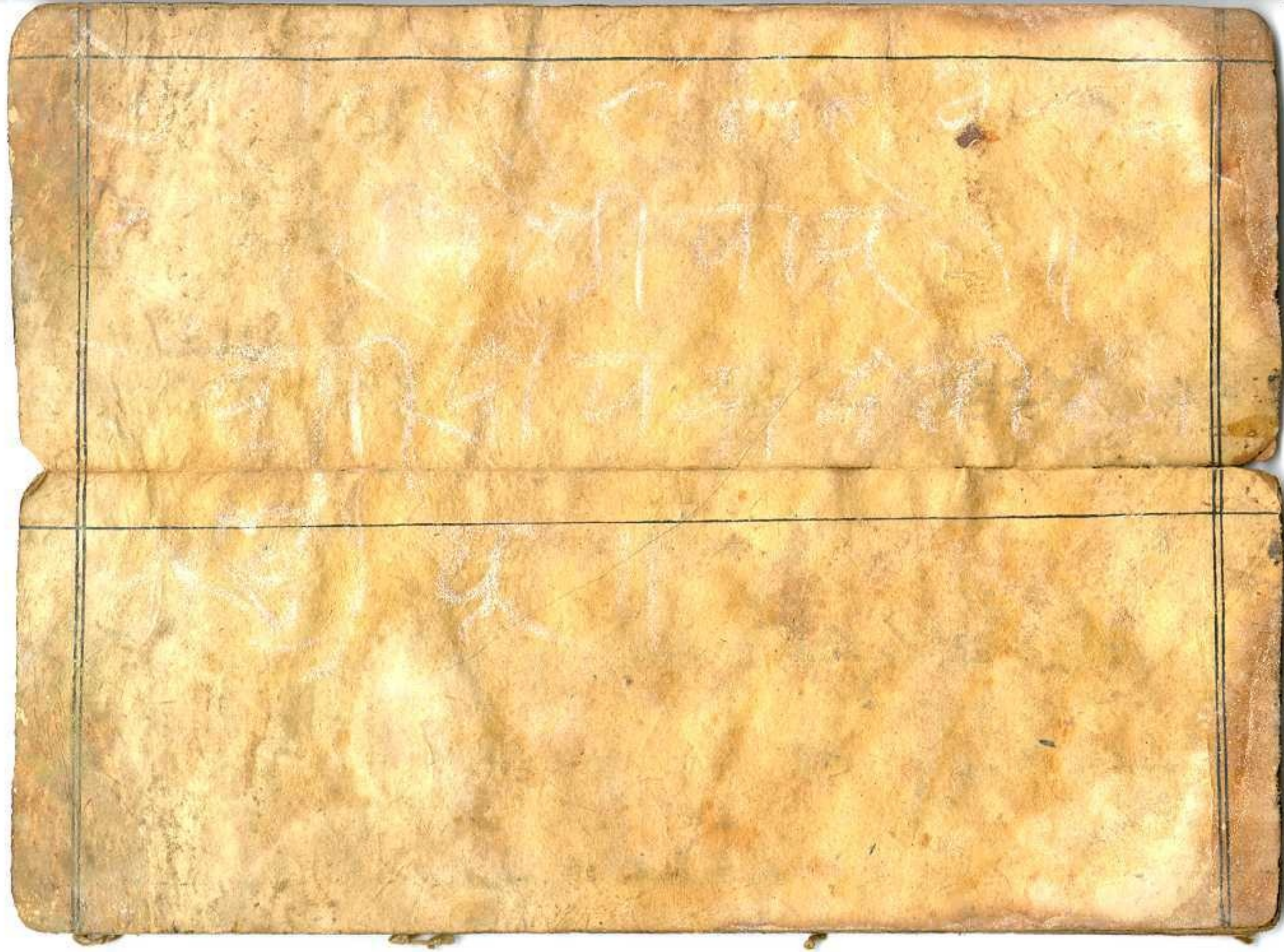
अंनः लं स्व व कु रा ज या निः व न मा ला वि ह वि तं ४ की लु र ४
व सः श्री मा न् दु वि तं सर्व ह न कं ॥ ध्यान पू र्ण पा दू का पू ज या
मि न म ॥ व त्रि ध न ॥

क व र्थ बा न ॥ ग क व ॥
य व व नी ४ नि व रि ४

ASHA ARCHIVES
3190

हन्था स या य ॥ आ स न ॥ न क य द्वा स्ना य या इ का ॥ नै यौ रौ यू रं मै नै वं
यू वृ का द न य म हौ रं न वा य नु द्वि त का ल द न्द य द्वा ॥ ग दा ध ना य
या द्रु ण नी ना य वा लु प्पु ण य डी प दी प्रि या य म ॥ का री म नू वि ने
ली म श्व ना य या इ का ॥ ३ ॥ व लि गृ द्वा ॥ २ स्वा हा ॥ ध न् - थानि ॥
॥ वैं डौ डौ डू डू डी प दा द थो या इ का ॥ व लि म ॥ थाना ॥

२ वि वि श प्र न र व द्वा ग डा थो ना य द्वा ता
॥ नै अ ह व क्थ प्र न द व दि रु ज पु वृ का द न य वा क म म म का री म नू
ना य न पु क ॥ प्र का य द्वा ना सी नै धा य द्वा म रु य के वं धा न य द्वा नि म ॥
मो य ॥ धी री मे या ॥ ३ ॥ प्र का व क वि प्र ध प्र वि न श दि य नू यि ली ॥ ना
ना य न वि वि श प्री व न द्वा रु या या नि ली ॥ धा न य द्वा या य ॥ डी प दी या ॥











112
103